संपादकीय

श्रमिकों की सुध

अपनी दूसरी पारी में एक्शन मोड में नजर आ रही मोदी सरकार ने श्रम सुधारों की दिशा में बड़ी पहल कर दी है। इसमें पुराने कानूनों की जगह एक कानून लागू करके श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा व अनुकूल कार्य परिस्थितियां देने की कवायद शुरू की गई है। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कामगारों की बेहतर कार्य परिस्थितियों तथा स्वास्थ्य के मद्देनजर 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन बिल-2019' को मंजूरी दी है। यह बिल तेरह पुराने श्रम कानूनों को समाप्त करके बनाया गया है। सरकार ने चार श्रम संहिताएं बनाने का निर्णय किया है, जिसमें न्यूनतम वेतन, कर्मचारियों का बेहतर स्वास्थ्य व अनुकूल कार्य परिस्थितियां, सामाजिक सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध शामिल हैं। इससे पूर्व सरकार न्यूनतम वेतन संहिता को अनुमति दे चुकी है। शेष दो संहिताओं पर निर्णय सरकार बाद में लेगी। कहीं न कहीं सरकार देश को पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही है। वहीं दूसरी ओर श्रमिक संगठन इस प्रस्तावित कानून को श्रमिक संगठनों के आंदोलन के अधिकार को सीमित करने वाला भी बता रहे हैं। इस बिल में श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 178 रुपये निर्धारित किया गया है लेकिन जिन राज्यों में यह राशि ज्यादा है, वहां स्थिति यथावत बनाये रखने के प्रयास किये जाएंगे। अब श्रमिकों को वेतन निश्चित तिथि को दिये जाने का प्रावधान है। सरकार का मानना है कि कई राज्यों में दैनिक मजदूरी शेष देश के मुकाबले बेहद कम है, जिसमें एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है। श्रम मंत्रालय का दावा है कि इससे तीस करोड़ श्रमिकों को न्यूनतम वेतन पाने का हक मिलेगा। नये प्रावधानों में अब जरूरी होगा कि कामगारों को नियुक्ति पत्र दिया जाये। वहीं दूसरी ओर नियोक्ताओं के लिये प्रक्रिया को सरल करते हुए रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस और आयकर रिटर्न की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है।

सरकार दावा कर रही है कि नये श्रम सुधारों से देश में औद्योगिक संस्कृति का विकास होगा, जिससे तकरीबन चालीस करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। इस नये बिल में प्रावधान है कि तय समय सीमा के बाद नियोक्ता कामगारों की मुफ्त चिकित्सा जांच करवाएगा। वहीं सभी कंपनियों में बच्चों के लिये क्रेच व कैंटीन जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। दफ्तरों में कामगार महिलाओं की कार्य अवधि सुबह छह बजे से शाम सात बजे के बीच ही रखी जा सकती है। महिलाएं अब रात्रि की पाली में काम करने का फैसला खुद ले सकेंगी। यदि वे वर्किंग आवर के बाद ड्यूटी पर आती हैं तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी नियोक्ता की होगी। साथ ही ओवरटाइम करवाने से पहले कर्मचारी की सहमति जरूरी होगी। इस बिल के दायरे में वे सभी कंपनियां आएंगी, जिनमें दस से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। जहां कर्मचारी संगठन एक ओर वेतन व सामाजिक सुरक्षा संबंधी प्रस्तावों का स्वागत कर रहे हैं, वहीं औद्योगिक संबंधों की संहिता को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। जिसमें श्रम संगठनों के सक्रिय पदाधिकारियों की अहर्ता सरकार द्वारा तय किये जाने पर श्रमिक संगठन संशय व्यक्त कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि इससे आंदोलन करने के अधिकार को भी सीमित किया जा सकता है। वे नये प्रस्तावित कानून में श्रमिक अधिकारों को सीमित करने के रूप में देख रहे हैं। निःसंदेह लंबे समय से देश में श्रम कानूनों की विसंगतियों को दूर करने और देश में प्रगतिशील औद्योगिक संस्कृति विकसित करने की बात की जाती रही है। सरकार का मानना है कि नये श्रम कानून से जुड़े नये प्रावधान कामगारों को देश में उत्पादन बढ़ाने में योगदान के लिये प्रेरित करेंगे। सरकार ने अब उद्योग जगत व निवेशकों की बेहतर श्रम परिस्थितियों की मांग की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं।

भारत का उच्च शिक्षा छात्र-शिक्षक अनुपात चीन, ब्राजील से कम

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत में छात्र-शिक्षक का उच्च शिक्षा अनुपात ब्राजील और चीन सहित कई देशों के मुकाबले कम है। एक सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अनुपात 24 : 1 है, जबकि ब्राजील और चीन में 19 :1 है। तुलना किए गए आठ देशों में से स्वीडन में 12 : 1, ब्रिटेन में 16 : 1, रूस में 10 : 1 और कनाडा में 9 : 1 के मुकाबले भारत का छात्र-अनुपात सबसे कम निकला है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि इससे न केवल शिक्षकों के एक छोटे समूह पर दबाव हावी हो रहा है, बल्कि उनके द्वारा उठाए गए शैक्षणिक अनुसंधान की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया, एक कम छात्र-शिक्षक अनुपात कई विद्यार्थियों को पढ़ाने के बाबत एक शिक्षक पर बोझ के साथ-साथ प्रत्येक छात्र को मिलने वाले समय की कमी को भी दर्शाता है।

इसमें कहा गया है, इस सरलीकृत प्रभाव के अलावा, उच्च शिक्षा के एक संस्थान में बहुत अधिक संख्या में ऐसे शिक्षक हैं जो काम के ज्यादा बोझ से दबे हुए हैं और वे किसी शोध को आगे बढ़ाने या अपने छात्रों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने में असमर्थ हैं।

शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन और समावेश कार्यक्रम (ईक्यूएआईपी) की रिपोर्ट में कहा गया है, नतीजतन, अधिकांश संस्थानों में उच्च शिक्षा के एक हिस्से के रूप में पूछताछ और तर्क की संस्कृति को विकसित नहीं किया जा सकता।उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों की कम नामांकन दर और कम फैकल्टी भर्ती के कारण समय के साथ संकाय की कमी हुई है।

उच्च शिक्षा के आंकड़ों पर मंत्रालय के अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र नामांकन 2013-14 में 3 करोड़ 23 लाख से बढ़कर 2017-18 में 3 करोड़ 66 लोख हो गया है, जबकि शिक्षकों की कुल संख्या 13,67,535 से घटकर 12, 84,755 हो गई है।

चीन की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार दूसरी तिमाही में सुस्ती के साथ 6.2 प्रतिशत पर रही

बीजिंग (आरएनएस)। चीन की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार इस साल की दूसरी तिमाही में तीन दशक में सबसे कम रही। अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध और वैश्विक स्तर पर मांग में कमी का असर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर देखने को मिला। अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार के कारण भी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अमेरिका के खिलाफ ताकत से लड़ने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका आयात शुल्क का इस्तेमाल चीन की अर्थव्यवस्था को खोलने के लिए कर रहा है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक दूसरी तिमाही में देश की जीडीपी वृद्धि की रफ्तार 6.2 प्रतिशत रही। हालांकि, जीडीपी के ये आंकड़े पूरे साल के लिए सरकार के 6.0-6.5 प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप हैं। एनबीएस के प्रवक्ता माओ शेंगयोंग ने कहा, घरेलू एवं विदेशी मोर्चे पर अर्थव्यवस्था की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में नरमी आ रही है और बाह्य अस्थिरता एवं अनिश्चितताएं बढ़ रही हैं।

नेत्रहीन भी पहचान सकेंगे नोट, आरबीआई लाएगा एप

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दृष्टिबाधित या नेत्रहीन लोगों को नोटों की पहचान करने में मदद के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन (मोबाइल एप) पेश करेगा। केंद्रीय बैंक ने लेनदेन में अब भी नकदी के भारी इस्तेमाल को देखते हुए यह कदम उठाया। वर्तमान में 10, 20, 50, 100, 200, 500 और 2,000 रुपये के बैंकनोट चलन में हैं।

रिजर्व बैंक ने कहा कि नेत्रहीन लोगों के लिए नकदी आधारित लेनदेन को सफल बनाने के लिए बैंकनोट की पहचान जरूरी है। नोट को पहचानने में नेत्रहीनों की मदद के लिए इंटाग्लियो प्रिंटिंग' आधारित पहचान चिह्न दिए गए हैं। यह चिह्न 100 रुपये और उससे ऊपर के नोट में हैं। नवबंर 2016 में 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने के बाद अब चलन में नए आकार और डिजाइन के नोट मौजूद हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा, रिजर्व बैंक नेत्रहीनों को अपने दैनिक कामकाज में बैंक नोट को पहचानने में आने वाली दिक्कतों को लेकर संवेदनशील है।

बैंक मोबाइल एप विकसित करने के लिए वेंडर की तलाश कर रहा है। यह एप महात्मा गांधी श्रृंखला और महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के नोटों की पहचान करने में सक्षम होगा। इसके लिए व्यक्ति को नोट को फोन के कैमरे के सामने रखकर उसकी तस्वीर खींचनी होगी। यदि नोट की तस्वीर सही से ली गई होगी तो एप ऑडियो नोटिफिकेशन के जरिए नेत्रहीन व्यक्ति को नोट के मूल्य के बारे में बता देगा। अगर तस्वीर ठीक से नहीं ली गई या फिर नोट को रीड करने में कोई दिक्कत हो रही है तो एप फिर से कोशिश करने की सूचना देगा। रिजर्व बैंक एप बनाने के लिए प्रौद्योगिकी कंपनियों से निविदा आमंत्रित कर रहा है। बैंक पहले भी इसी तरह के प्रस्ताव के लिए आवेदन मांगे थे। हालांकि, बाद में इसे रद्द कर दिया गया। देश में करीब 80 लाख नेत्रहीन लोग हैं। आरबीआई की इस पहल से उन्हें लाभ होगा।

देश में सोने के दाम पर तीन साल में सबसे ज्यादा छूट

नईदिल्ली (आरएनएस)। आम बजट में महंगी धातुओं पर आयात शुल्क में 2.5 फीसदी की वृद्धि की घोषणा के बाद सोने के दाम में जबरदस्त तेजी आई है और पीली धातु का भाव घरेलू वायदा बाजार में बीते सप्ताह गुरुवार को सबसे ऊंचे स्तर 35,145 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चला गया। सोने के भाव में आई इस तेजी के बाद घरेलू बाजार में मांग कमजोर होने के कारण कारोबारियों ने सोने के भाव पर 30 डॉलर प्रति औंस तक छूट देना शुरू कर दिया है जो कि पिछले तीन साल में सर्वाधिक छूट है।

कोडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि अक्षय तृतीया के मौके पर भारत में सोने का भाव प्रीमियम (अधिमूल्य) पर चल रहा था, लेकिन सोने पर आयात शुल्क में वृद्धि होने के बाद सोने के भाव पर छूट में इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि सोने के भाव पर डिस्काउंट व प्रीमियम की तुलना लंदन बुनियन मार्केट एसोसिएशन में की जाती है। घरेलू बाजार में सोने के भाव में तेजी के बाद मांग कमजोर होने के कारण भारी छूट दी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सजेंस (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त अनुबंध बीते सप्ताह शुक्रवार को पिछले सत्र के मुकाबले 243 रुपये यानी 0.70 फीसदी की तेजी के साथ 34,944 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एमसीएक्स पर सोने का भाव गुरुवार को 35,145 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछला था जोकि अब तक का सर्वाधिक ऊंचा स्तर है।

शुरुआती कारोबार में रुपया 16 पैसे मजबूत

मुंबई (आरएनएस)। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और तेल की कीमतों में नरमी के बीच शुरुआती कारोबार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे मजबूत होकर 68.53 के स्तर पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 68.59 के स्तर पर बढ़त के साथ खुला और बाद में पिछले बंद के मुकाबले और मजबूत होकर 68.53 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 68.69 के स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी एवं घरेलू शेयर बाजार की सकारात्मक शुरुआत से रुपये को समर्थन मिला। हालांकि, विदेशी मुद्रा की निकासी से घरेलू मुद्रा की बढ़त सीमित रही। इसी बीच ब्रेंट कच्चा तेल वायदा भाव 0.12 प्रतिशत गिरकर 66.64 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है।

भारतीय युवा मुक्केबाजों ने सर्बिया में चार रजत जीते

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय युवा मुक्केबाजों ने सर्बिया में 37वें गोल्डन ग्लव आफ वोजवोडिना अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में चार रजत और एक कांस्य पदक जीता। सेलाय सोय (49 किलो), बिलोट्सोन एल सिंह (56 किलो), अजय कुमार (60 किलो) और विजयदीप (69 किलो) को रजत पदक मिले। वहीं हर्ष गिल (91 किलो) ने कांस्य पदक जीता। टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ब्राजील, बुल्गारिया, क्रोएशिया समेत 22 देशों ने भाग लिया था।

हार से निराश, लेकिन खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया : विलियम्सन

लंदन (आरएनएस)। न्यूजीलैंड की टीम भले ही विश्व कप के फाइनल में मेजबान इंग्लैंड से हार गई हो, लेकिन कप्तान केन विलियम्सन का मानना है कि उनकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मैच के बाद विलियम्सन ने कहा, हां, जाहिर तौर पर मैं निराश हूं। आप जानते हैं कि इस अवसर को पाने के लिए खिलाड़ियों ने बहुत काम किया था। यहां आकर लगातार दूसरे विश्व कप के फाइनल में खेलना और बेहद कम अंतर से खिताब न जीत पाना, यह दुखद है। मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट के दौरान मैंने संवाददाता सम्मेलन में पहले भी अनियंत्रित चीजों के बारे में बात की है और कई ऐसी चीजें हुई जिन्हें झेल पाना बहुत मुश्किल है।

विलियम्सन ने कहा, मैं इंग्लैंड को श्रेय दूंगा, केवल इस मैच में ही नहीं बल्कि पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने जिस प्रकार की क्रिकेट खेली है, वे जीत के हकदार हैं। मैच टाई होने के बाद दोनों में जो भी टीम आज ट्रॉफी जीतकर गई वो शायद खुद को सौभाग्यशाली समझ रही होगी।

इस पूरे टूर्नामेंट में कम रन बनाने के बाद भी न्यूजीलैंड ने कई मैच जीते। इस पर विलियम्सन ने कहा, हम 250, 260 का स्कोर चाहते थे। हम जानते थे कि यह आसान नहीं है और हम उम्मीद कर रहे थे कि पिच थोड़ी ड्राई होगी और ऐसा ही हुआ। मैं समझता हूं कि शुरुआती 10 ओवर में हमें मूवमेंट मिली और हम शुरुआती विकेट चटका पाए।

आज का राशिफल

मेषः- वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। अजनबी लोगों पर भरोसा न करें अन्यथा लेने के देने पड़ सकते हैं। किसी भी नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है।

वृषभः- जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। प्रिय व्यक्ति का साथ मिलेगा। आर्थिक निवेश करना लाभप्रद रहेगा। परिजनों के साथ बैठकर महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे।

मिथुनः- दिन मंगलमय गुजरेगा। कोई शुभ समाचार या रुका हुआ धन प्राप्त होगा। किस्मत का साथ मिलेगा, कम प्रयास से ही अधिक सफलता प्राप्त कर पाएंगे।

कर्कः- साझेदारी के काम में संभलकर रहिएगा नहीं तो नुकसान हो सकता है। सेहत के प्रति आपको सजग रहना होगा। विवादों से बचकर रहें।

सिंहः- कोई प्रतिकूल समाचार मिलने से तनाव में रह सकते हैं। अप्रिय घटना का योग है। सोच-समझकर ही यात्रा एवं कार्य-व्यवहार करें।

कन्याः- मेहनत के अनुपात में लाभ मिलेगा इसलिए आलस्य से बचें। दोस्तों और सगे-संबंधियों से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी।

तुलाः- कहीं अटक हुआ धन है तो आज वह मिल सकता है। प्रयास से सभी कार्य बनने की संभावना है, इसलिए मेहनत में कमी ना करें।

वृश्चिकः- कार्यक्षेत्र के मामले में आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। सहकर्मियों और अधिकारियों से आप पूरा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे। घर में आनंद और खुशी का माहौल रहेगा।

धनुः- आज आपके खर्चे बढ़े रहेंगे, संभलकर चलें। कार्यों में बाधा से परेशानी होगी। धैर्य से काम लें एवं कठिनाइयों का सामना करें। इरादों में मजबूती उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मकरः- सितारों की स्थिति कुल मिलाकर अनुकूल है। यात्रा सुखद रहेगी एवं उन्नति का समाचार मिलेगा। पुरस्कार अथवा उपहार मिलने से खुशी होगी।

कुंभः- प्रिय व्यक्ति से मुलाकात एवं सहयोग प्राप्त होगा। भाई-बंधुओ से मेल-जोल बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। सुख सुविधाओं के साधनों पर धन व्यय होगा।

मीनः- भाग्य का साथ सफलता दिलाएगा। विरोधी परास्त होंगे, व्यवहार कुशलता से आपके काम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा।

पनीर पराठे बनाने की विधि...

सामग्रीः

आटा - 2 कप, तेल - पराठा तलने के लिए, पानी - जरुरत अनुसार, पनीर - 3 से 4 टेबलस्पून, उबले आलू - 2, हरी मिर्च - 3 बारीक कटी हुई, अदरक - 1 टीस्पून (बारीक कटा हुआ), धनिया - 2 टेबलस्पून (बारीक कटा), धनिया पाउडर - 1 टीस्पून, जीरा पाउडर - 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर - 1/2 टीस्पून, गर्म मसाला पाउडर -1/2 टीस्पून, अमचूर पाउडर - 1 टीस्पून, नमक - स्वादानुसार

बनाने की विधिः

1. पनीर पराठा बनाने के लिए सबसे पहले आटे को गूंथ कर रख लें। 2. आटा थोड़ा मुलायम गूंथे और गूंथने के बाद इसके ऊपर तेल लगाकर गीले कपड़े के साथ ढककर रख दें। 3. एक बाउल में पनीर, आलू, मिर्च, अदरक, धनिया, धनिया-पाउडर, जीरा-पाउडर, गर्म मसाला, अमचूर और नमक डालकर पराठे की स्टफिंग तैयार कर लें। 4. अब आप जितने पराठें बनाना चाहती हैं आटे की उतनी लोइयां बनाकर तैयार कर लें। 5. अब एक-एक लोई लेकर उसे थोड़ा-थोड़ा बेलन से बेल लें। 6. छोटी सी चपाती को हाथ में लेकर उसमें चम्मच की मदद से स्टफिंग फिल करके हल्के हाथों से बंद कर दें। 7. हल्का चिपटा करने के बाद तैयार लोई को नीचे रखकर उसपर सूखा आटा छिड़के। 8. अब बेलन की मदद से पराठे को बेल लें। 9. आप चाहें तो फिलिंग में किशमिश भी डाल सकती हैं। 10. तैयार पराठे को गर्म तवे पर डालकर दोनों तरफ से अच्छी तरह सेंक लें। 11. लीजिए आपका पनीर पराठा बनकर तैयार है, बारिश के मौसम में गर्मा-गर्म चाय के साथ पनीर के पराठें का मजा लें।

शब्द सामर्थ्य- 26

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

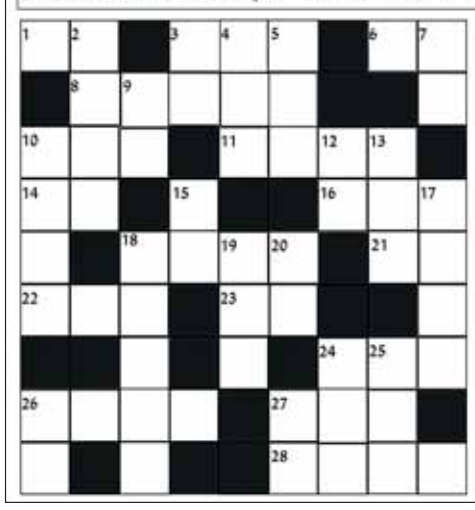

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 25 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

सू-दोकू- 26

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.25 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2